सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग प्रवीण - १

PIN HERE

रविवार, 16 जुलाई, 2006 **समय : सुबह 9.00 से 12.00** **कुल अंक : 100**

वर्गखंड में उपस्थित परीक्षार्थी स्वयं ही अपना विवरणयुक्त स्टीकर लगाएँ । **बिना स्टीकर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं रहेगी ।**

स्वामिनारायण BAPS

इस कोष्टक में **प्रवीण-१ (हिन्दी)** का स्टीकर लगाएँ ।

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर स्टीकर **लगाने का नहीं है ।**

PIN HERE

निम्न जानकारी परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी की बैठकक्रमांक (अंको में) | | | | | | |

परीक्षार्थी की उम्र .....

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी द्वारा लगाएँ गए स्टीकर तथा उपरोक्त विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्गसुपरवाइज़र हस्ताक्षर करें ।

वर्गसुपरवाइज़र के हस्ताक्षर .....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	1 (6)	
	2 (5)	
	3 (4)	
	4 (4)	
	5 (8)	
	6 (8)	
	7 (8)	
	8 (5)	
	9 (6)	
	10 (6)	
	11 (8)	
	12 (6)	
	13 (6)	
	14 (20)	
	कुल गुण	

परीक्षक के हस्ताक्षर :

.....

PIN HERE

મોડરેશન વિભાગ માટે જ
ગુણ શબ્દોમાં . . . . .
ચેકર - નામ
ફરી તપાસનાર . . . . .
સુધરેલ ગુણ

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

(विभाग - १ : श्री अक्षरपुरुषोत्तम उपासना)

प्र. १ निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषय के संदर्भ में शास्त्र के तीन प्रमाण दीजिए । (कुल गुण : ६)

१. प्रकट की पहचान ही ज्ञान ।
२. भगवान अक्षरधाम में और पृथ्वी के उपर साकार है ।
३. उपासना का महत्त्व ।
४. बह्मरुप होने की आवश्यकता ।

( ) ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

.... गुण : ३

( ) ....

....

....

....

....

गुण : ३

प्र. २ प्रमाण, सिद्धांत अथवा कडी पर से विषय का शीर्षक दीजिए । (कुल गुण : ५)

उदाहरण : ''मारुं धाम छे रे, अक्षर अमृत जेनुं नाम ।
तेमां हुं रहुं रे, द्विभुज दिव्य सदा साकार ॥''

उत्तर : धाम में और पृथ्वी पर – दोनों जगह सदा साकार ।

१. 'जेवा ए संत कहीए शिरोमणि, एक हरि सौ शिरमोड; निष्कुलानंद निहालता न जडे ए बेनी जोड ।' गुण : १

२. महाराज तो गारुडी के समान है, उनके आगे तो जीव, ईश्वर, पुरुष व अक्षरादिक सब हाथ जोड़कर खडे रहते हैं । गुण : १

३. भगवान का स्वरूप अक्षरधाम सहित पृथ्वी पर विराजमान रहता है, और भगवान के भक्तों को दूसरे लोगों के सामने भी इसी प्रकार वार्ता करनी चाहिए । गुण : १

४. 'वाची कागल कोई कंथनो, जेम नार अपार राजी थई; पण प्रगट सुख पियु तणुं, अणु जेटलु आव्युं नहीं ।' गुण : १

५. जन्म कर्म च मे दिव्यमेवं यो वेत्ति तत्त्वत: । गुण : १

मोडरेशन विभाग	गुण : प्र-३	

परीक्षक ने दिए हुए गुण	प्र-३	

प्र. ३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) की निशानी करें। (कुल गुण : ४)

नोंध : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही की निशानी की होगी तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. सद्गुरु गुणातीतानंद स्वामी को 'मूल अक्षर' के रूप में प्रमाणित करते शास्त्र । गुण : २

(१) ☐ श्री सत्संगिजीवन । (२) ☐ श्री हरिलीलाकल्पतरु ।

(३) ☐ शिक्षापत्री । (४) ☐ कीर्तनकौस्तुभमाला ।

२. उत्पत्ति सर्ग का सही क्रम कौन-सा है ? गुण : २

(१) ☐ परब्रह्म ⟹ महत्तत्त्व ⟹ प्रधानपुरुष ⟹ महामाया ।

(२) ☐ अक्षरब्रह्म ⟹ मूलपुरुष + मूल प्रकृति ⟹ प्रधानपुरुष ⟹ महत्तत्त्व ।

(३) ☐ विराटपुरुष ⟹ ब्रह्मा ⟹ मरीच्यादिक प्रजापति ⟹ कश्यप प्रजापति ।

(४) ☐ ब्रह्मा ⟹ विराटपुरुष ⟹ मरीच्यादिक प्रजापति ⟹ कश्यप प्रजापति ।

प्र. ४ निम्नलिखित में से किन्हीं <u>एक</u> का वर्णन करके उसका सिद्धांत लिखें । (कुल गुण : ४)

१. शीतलदास को समाधि । २. वाघा खाचर के प्रश्न का समाधान । ३. मैं तो आपमें अखंड रहता हूँ ।

प्रसंग :

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४

प्र. ५ निम्नलिखित में से किन्हीं दो के बारे में विवरण कीजिए । (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. श्रीजीमहाराज सर्वकर्ताहर्ता है ।
२. सबसे परे अक्षरधाम ।
३. गुणातीत संत की महिमा श्रीजीमहाराज के शब्दों में ।
४. अक्षर और पुरुषोत्तम का परस्पर सम्बन्ध ।

( )

गुण : ४

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४

प्र. ६ निम्नलिखित में से किन्हीं <u>दो</u> के बारे में कारण लिखें । (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. संप्रदाय के ग्रंथों में श्रीजीमहाराज को श्रीकृष्ण जैसे निरूपित किया है फिर भी वे सर्वोपरि है ।

२. भगवान साकार होने पर भी लोग उन्हें निराकार मानते हैं ।

३. यज्ञपुरुषदासजी को अक्षरपुरुषोत्तम के सिद्धांत की समझ आ गई ।

४. स्वरूपानंद स्वामी को अंतर में शांति का अनुभव हो गया ।

( ) .....

.....

.....

गुण : ४

(   )

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

..... गुण : ४

प्र. ७ उपासना में क्या समझना ? और क्या न समझना ? उसके आधार से निम्न विधानों की पूर्ति कीजिए । (कुल गुण : ८)

(उपासना में क्या समझना ?)

१. परब्रह्म .....

..... अद्वितीय है ॥ गुण : १

२. पुरुषोत्तम की प्रेरणा .....

.....

.....

.....

.....

..... स्पष्ट भेद है । गुण : १

३. अक्षरब्रह्म भी अक्षरधाम .....

.....

.....

.....

..... निर्गुण कर देते है । गुण : १

४. मुक्ति अवस्था में जीवात्मा .....

.....

.....

.....

.....

..... सेवा-भक्ति करते है ॥ गुण : १

५. इस लोक में से अंतर्धान .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

..... प्रकट है ॥ गुण : १

(उपासना में क्या न समझना ?)

१. जब भगवान पृथ्वी .....

.....

..... होते है, ऐसा नहीं समझना चाहिए ॥ गुण : १

२. अकेले अक्षरब्रह्म .....

.....

..... सकते है, ऐसा नहीं समझना चाहिए ॥ गुण : १

३. आज्ञा का पालन .....

.....

..... सकता है, ऐसा नहीं समझना चाहिए ॥ गुण : १

प्र. ८ टूंकनोंध लिखिए । - श्रीजीमहाराज द्वारा कही गई गुणातीतानंद स्वामी की असाधारण महिमा । **(कुल गुण : ५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ५

(विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग - ३ और युगविभूति प्रमुखस्वामी महाराज)

प्र. ९ निम्नलिखित विधान कौन, किसको और कब कहता है यह लिखिए । (कुल गुण : ६)

१. ''पेट में ढलना था, उसके बदले वह सीढियों पर लुढक गया ।'' **(स.वा.भा. ३)** **अथवा**

२. ''आप की उम्र अब अधिक हुई है, तो अब थोडा घी भोजन में अंगीकार करना ।'' **(स.वा.भा. ३)**

( ) कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

.....

गुण : ३

३. ''आई हैव गाड । मेरे पास धन नहीं ।'' **(युगविभूति)** **अथवा**

४. ''उन्होंने मुझे अपने धर्म में ही आस्था रखने को कहा ।'' **(युगविभूति)**

( ) कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

.....

..... गुण : ३

प्र.१० निम्नलिखित वाक्यों के बारे में कारण लिखिए । (नौ पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. शिवलाल सेठ की साली को बुरा लगा । **(स.वा.भा. ३)** **अथवा**

२. कुशलकुंवरबा को लगा की उसका कल्याण निश्चित हो गया । **(स.वा.भा. ३)**

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

..... गुण : ३

३. युवक विद्यार्थी सिसक सिसक्कर रोने लगा । **(युगविभूति)** **अथवा**

४. रिपोर्टर भी स्वामीश्री के उत्तर का सीधा अंग्रेजी अनुवाद अपनी डायरी में दर्ज करने लगा । **(युगविभूति)**

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३

प्र.११ निम्नलिखित विषय पर प्रमाणसर विवरण लिखिए । (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. मुक्तानंद स्वामी की तितिक्षा - सहनशक्ति । **(स.वा.भा. ३)** **अथवा**

२. निष्कुलानंद स्वामी की काव्यरचना और साहित्यसेवा । **(स.वा.भा. ३)**

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

३. जलझीलनी एकादशी के उत्सव के समय सेवा । **(युगविभूति)** **अथवा**

४. हरिजनों का उद्धार । **(युगविभूति)**

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४

प्र.१२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ६)

१. कुशलकुंवरबा ने श्रीजीमहाराज की आरती कितनी बार उतारी ? **(स.वा.भा. ३)** गुण : १

.....

.....

२. निष्कुलानंद स्वामी ने अपने किस पुत्र को साधु होने की प्रेरणा दी ?
उसका नाम भी लिखिए ? **(स.वा.भा. ३)** गुण : १

.....

.....

३. ग्रंथियाँ मिटाने के लिए गुणातीतानंद स्वामी ने रघुवीरजी महाराज से क्या कहा ? **(स.वा.भा. ३)** गुण : १

.....

.....

४. हनुमानमढ़ी के मंदिर में किसका गुणगान होता था ? **(युगविभूति)** गुण : १

.....

.....

५. वर्षों के बीत जाने पर गणेश क्या सवाल करता है ? **(युगविभूति)** गुण : १

.....

.....

६. प्रमुखस्वामी महाराज की सुवर्णतुला लंदन में कब हुई ? **(युगविभूति)** गुण : १

.....

.....

मोडरेशन विभाग	गुण : प्र-१३	

परीक्षक ने दिए हुए गुण	प्र-१३	

प्र.१३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) की निशानी करें। (कुल गुण : ६)

नोंध : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही की निशानी की होगी तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. भक्तराज पर्वतभाई । **(स.वा.भा. ३)** | गुण : २ |

(१) ☐ मानसी (ध्यान) में बाही गिर गई ।

(२) ☐ २५६ मन अनाज की सेवा की ।

(३) ☐ ढाई साल तक खटरस के नियम का पालन किया ।

(४) ☐ महाराज के पास काठी हरिभक्तों ने छूट से घी परोसायां ।

२. रघुवीरजी महाराज ने हरिकृष्ण महाराज की प्रतिष्ठा कहाँ कहाँ की ? **(स.वा.भा. ३)** | गुण : २ |

(१) ☐ गढड़ा । (२) ☐ जूनागढ़ । (३) ☐ वरताल । (४) ☐ धोलेरा ।

३. प्रमुखस्वामी महाराज का सम्मान किस किस देश की पार्लामेन्ट में हुआ ? (युगविभूति) | गुण : २ |

(१) ☐ स्वीट्झरलेन्ड । (२) ☐ केनेडा । (३) ☐ फ्रांस । (४) ☐ ब्रिटन ।

(विभाग - ३ : निबंध)

प्र.१४ निम्नलिखित किसी <u>एक</u> विषय पर करीब ३० वाक्यों में निबंध लिखिए । (कुल गुण : २०)

गुण : २०	

१. संस्कृति का तेजस्वी तीर्थ - दिल्ली अक्षरधाम ।

२. प्रार्थना और पुरुष प्रयत्न का संगम - प्रमुखस्वामी महाराज ।

३. सत्संग का रक्षक और पौषक - निरंतर सजागता ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....